

---

# Shri Hanumadacharya Ashtakam

---

## श्रीहनुमदाचार्याष्टकम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Hanumadacharya Ashtakam

File name : hanumadAchAryAShTakam.itx

Category : deities\_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीहनुमदाचार्याष्टकम्



आनन्दभाष्यतत्त्वस्य वेदिनं ब्रह्मवादिनम् ।  
वन्दे हनुमदाचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥

संस्कृत्य पञ्चसंस्कारैर्वैष्णवत्वविधायिनम् ।  
वन्दे हनुमदाचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥

जित्वा चावैष्णवान् सिद्धान् वैष्णवधर्मरक्षकम् ।  
वन्दे हनुमदाचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥

रामभक्तिप्रपत्तिभ्यां भक्तानामभयप्रदम् ।  
वन्दे हनुमदाचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

रामानन्दीयधर्मस्योपदेशाद् भक्तिमुक्तिदम् ।  
वन्दे हनुमदाचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥

सिद्धेन्द्रं सिद्धिदातारं सिद्धयोगीन्द्रसेवितम् ।  
वन्दे हनुमदाचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥


रामकीर्त्तनकर्त्तारं रामाराधनकारकम् ।  
वन्दे हनुमदाचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥

हनूमतः कृपापात्रं रहस्यज्ञानसागरम् ।  
वन्दे हनुमदाचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥

इति श्रीहनुमदाचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

